प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय तटरक्षक द्वारा मोरमुगाव से दूर एम टी इनफिनिटी-1 का निस्तारण प्रथम मानसून तैयारी परीक्षा

1. मोरमुगाव में मानसून पहुँचने से पूर्व 08 जून 16 को शाम के समय गोवा से 20 नॉटिकल मील की दूरी पर स्थित टैंकर इनफिनिटी-1 ने संकट की सूचना दी। भारतीय तटरक्षक ने गोवा से पोत भेजकर पोत और उसके कार्गो का निस्तारण किया तथा 14 कर्मियों को बचाया।

2. भारतीय तटरक्षक ने 1794 मैट्रिक टन असफाल्ट ले जा रही पनामा फ्लैग एम टी इनफिनिटी-1 को निस्तारण की सहायता प्रदान किया। तेजी से घुस रहे पानी के कारण अगुआड़ा गोवा से 20 मील की दूरी पर पोत ने लंगर डाल रखा था। 08 जून 16 को 1807 बजे समुद्री बचाव समन्वय केंद्र मुंबई से ई-मेल द्वारा सूचना प्राप्त होने पर भारतीय तटरक्षक ने त्वरित कार्रवाई की तथा स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए गोवा से पोत को रवाना किया।

3. एम टी इनफिनिटी-1 तेल/असफाल्ट वाहक है तथा 14 कर्मियों के साथ कांदला, गुजरात से कारवार कर्नाटका की तरफ जा रहा था। जहाज के अगले हिस्से में काफरडेम के निकट पानी के स्तर से 02 मीटर नीचे की तरफ दरार पड़ जाने से पानी जहाज के अंदर तेजी से प्रवेश कर रहा था। पानी घुसने से जहाज के डूबने की संभावना बन रही थी। तटरक्षक को सूचना दी गई कि जहाज में पानी काफी मात्रा में प्रवेश कर रहा है, जिसके कारण जहाज दाहिनी तरफ झुक रही है, वहाँ मौजूद कर्मी स्थिति का सामना कर पाने में समर्थ नहीं है।

4. समुचित क्षति नियंत्रण उपकरण एवं प्रशिक्षित कर्मियों के साथ तटरक्षक पोत अमल एवं शूर प्रतिकूल समुद्री परिस्थितियों की परवाह न करते हुए घटना स्थल पर तुरंत पहुँची। 02 अन्य तटरक्षक पोत एवं एक हेलीकॉप्टर को त्वरित सूचना पर कार्रवाई करने के लिए तैयार किया गया। संकटग्रस्त पोत पर पाँच सबमरसिवल पंप एवं डीजल चालित पंप, स्थिति को नियंत्रण करने वाले उपकरण तथा विशेषज्ञों पहुँचाया गया। 50 टन प्रति घंटे की दर से प्रवेश किये हुए पानी को निकालने की कार्रवाई शुरू की गई।

5. अंधकार में लगातार छह घंटे पानी निकालने की कार्रवाई करने के पश्चात् पानी प्रवेश की स्थिति को नियंत्रित किया जा सका और जहाज की स्थिति सामान्य हुई। भारी मात्रा में घुसे पानी तथा प्रतिकूल समुद्री परिस्थितियों के बावजूद तटरक्षक कार्मिकों ने अपने उपकरण तथा उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर जहाज की भारी क्षति होने से बचाया। तटरक्षक द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई से न केवल पोत उसके कर्मियों तथा कार्गो को बचाया गया बल्कि जहाज में लदे रसायनों को समुद्र में रिसने से भी बचाया जा सका अन्यथा गोवा के प्राचीन तट सहित पर्यावरण को भी काफी नुकसान पहुँचता।

6. 09 जून 16 को एमटी इनफिनिटी ने अपना लंगर उठाया तथा तटरक्षक पोत तथा तटरक्षक दल के अनुरक्षण में करवार के तरफ रवाना हुआ। सुरक्षित यात्रा हेतु पानी निकालने की प्रक्रिया जारी रही।